

2023

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) 'चंद्र छंद बरनन की महिमा' के लेखक हैं

i) नाभा दास

ii) दामोदर शर्मा

iii) गंग कवि

iv) गोकुल नाथ ।

ख) 'कहानी एक सूक्ष्मदर्शक यन्त्र है, जिसके नीचे मानवीय अस्तित्व के रूपक दृश्य खुलते हैं।' यह कथन किसका है ?

i) सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

ii) मुंशी प्रेमचन्द

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ।

ग) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' के रचनाकार हैं

i) गोस्वामी बिट्ठल नाथ

ii) गोविंद दास

iii) बल्लभाचार्य

iv) गोकुल नाथ ।

घ) हिंदी की पहली आत्मकथा है

- i) अर्द्धकथा
- ii) मेरी कहानी
- iii) कुछ आपबीती, कुछ जगबीती
- iv) तरुण स्वप्न ।

ङ) 'प्रजा हितैषी' नामक समाचार पत्र के संपादक हैं

- i) राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिंद'
- ii) राजा लक्ष्मण सिंह
- iii) बाबू नवीनचंद्र राय
- iv) इनमें से कोई नहीं ।

2. क) द्विवेदी-युग की समय-सीमा मानी जाती है

- i) सन् 1857 से 1900 ई० तक
- ii) सन् 1900 से 1918 ई० तक
- iii) सन् 1918 से 1936 ई० तक
- iv) सन् 1936 से 1943 ई० तक ।

ख) 'पल्लव' किसकी रचना है ?

- i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- ii) जयशंकर प्रसाद
- iii) सुमित्रानंदन पंत
- iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' ।

ग) केदार नाथ अग्रवाल किस काव्य-धारा के कवि हैं ?

- i) छायावादी
- (ii) प्रगतिवादी
- (iii) प्रयोगवादी
- iv) नई कविता ।

घ) 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है।

- i) सन् 1943 ई०
- ii) सन् 1951 ई०
- iii) सन् 1960 ई०
- iv) सन् 1900 ई० ।

ङ) निम्नलिखित में से कौन छायावादी कवि नहीं हैं ?

- i) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- ii) सुमित्रानंदन पंत
- iii) जयशंकर प्रसाद
- iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ।

3. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

विज्ञान की प्रगति के कारण नित नयी चीजों का निरंतर आविष्कार होता रहता है । जब कभी नया आविष्कार होता है उसे एक नई संज्ञा दी जाती है । जिस देश में उसकी सृष्टि की जाती है, वह देश उस आविष्कार के नामकरण के लिए शब्द बनाता है; वही शब्द प्रायः अन्य देशों में बिना परिवर्तन के वैसे ही प्रयुक्त किया जाता है ।

- i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

- iii) किस कारण निरंतर नई चीजों का आविष्कार होता रहता है ?
iv) नये आविष्कार के नामकरण के नया शब्द कौन बनाता है ?
v) अन्य देशों में बिना परिवर्तन के क्या प्रयुक्त किया जाता है ?

अथवा

साहित्य, कला, नृत्य, गीत, आमोद-प्रमोद, अनेक रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं । आत्मा का जो विश्वव्यापी आनन्द-भाव है, वह इन विविध रूपों में साकार होता है । यद्यपि बाह्य रूप की दृष्टि से संस्कृति के ये बाहरी लक्षण अनेक दिखायी पड़ते हैं, किन्तु आन्तरिक आनन्द की दृष्टि से उनमें एकसूत्रता है । जो व्यक्ति सहृदय है, वह प्रत्येक संस्कृति के आनन्द-पक्ष को स्वीकार करता है और उससे आनन्दित होता है । इस प्रकार की उदार भावना ही विविध जनों से बने हुए राष्ट्र के लिए स्वास्थ्यकर है।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।
ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
iii) किन रूपों में राष्ट्रीय जन अपने-अपने मानसिक भावों को प्रकट करते हैं ?
iv) सहृदय व्यक्ति किसको स्वीकार करते हुए आनन्दित होता है ?
v) प्रस्तुत पंक्तियों में लेखक ने राष्ट्र के किस स्वरूप पर प्रकाश डाला है ?

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

आज की दुनिया विचित्र नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है, विजयी पुरुष आसीन ।
हैं बँधे नर के करों में वारि, विद्युत, भाप,
हुकम पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप ।
है नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिंधु एक समान ।

- i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) प्रकृति पर सर्वत्र कौन आसीन है ?
- iv) सरित, गिरि और सिंधु शब्दों के अर्थ लिखिए ।
- v) नर के करों में क्या-क्या बँधे हुए हैं ?

अथवा

प्रकृति के यौवन का शृंगार
करेंगे कभी न बासी फूल;
मिलेंगे वे जाकर अति शीघ्र
आह उत्सुक है उनकी धूल
एक तुम, यह विस्तृत भू-खंड
प्रकृति वैभव से भरा अमन्द;
कर्म का भोग, भोग का कर्म
यही जड़ का चेतन आनंद ।

- i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए
- iii) प्रकृति के यौवन का शृंगार कौन नहीं करेगा ?
- iv) जड़ का चेतन आनंद क्या है ?
- v) उपर्युक्त पद्यांश में कौन किसको समझा रहा है ?

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए । (शब्द-सीमा 80 शब्द)

- i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ii) प्रो० जी० सुंदर रेड्डी
- iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए । (शब्द-सीमा 80 शब्द)

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) सुमित्रानंदन पंत

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । (शब्द - सीमा 80 शब्द)

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक खण्ड के प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए । (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

क) 'रश्मिर्थी' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिर्थी' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की घटना को संक्षेप में लिखिए ।

ख) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक- वृत्त' खण्डकाव्य की किसी एक प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की घटना को संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं को संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड - ख

8. निम्नलिखित में से किसी एक संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : <https://www.upboardonline.com>

क) अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्', अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूपं मुखं, कुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धङ्क्षयायः ।

अथवा

सप्तदशवर्षाणि यावत् अमरत्व प्राप्त्युपायं चिन्तयन् मूलशङ्करः ग्रामाद् ग्रामं, नगरान्नगरं वनाद् वनं, पर्वतात् पर्वतम्-भ्रमत् परं नाविन्दतातितरां तृप्तिम् । अनेकेभ्यो विद्वद्भ्यः व्याकरण- वेदान्तादीनि शास्त्राणि योगविद्याश्च अशिक्षत् ।

ख) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का संदर्भ सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए

"परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेतादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥"

अथवा

"आकार सदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।

आगमैः सदृशारम्भ आरम्भ सदृशोदयः ॥"

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:

i) का भाषा 'देवभाषा' इति नाम्ना ज्ञाता ?

ii) कः सर्वज्ञः भवति ?

iii) वैवस्वतः मनुः कः आसीत् ?

iv) 'मूलशङ्करः' इति नाम कस्य महापुरुषस्य पूर्व नाम आसीत् ?

10. क) 'श्रृंगार' अथवा 'वीर' रस का लक्षण और उदाहरण लिखिए ।

ख) 'यमक' अथवा 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए

ग) 'रोला' अथवा 'चौपाई' छंद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए:

i) छात्र जीवन और अनुशासन ।

ii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान ।

iii) जीवन में संस्कार और उनका महत्व

iv) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान ।

12. क) i) 'प्रत्याशा' का सन्धि-विच्छेद होगा

- अ) प्रति + आशा
- ब) प्रती + आशा
- स) प्रति + याशा
- द) प्रत् + आशा ।

ii) 'निश्छलम्' का सन्धि-विच्छेद होगा

- अ) निश् + छलम्
- ब) निश् + हलम्
- स) निस् + छलम्
- द) निस + छलम ।

ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए:

- अ) उपतटम्
- ब) नीलकमलम्
- स) प्रत्यक्षम् ।

13. क) i) 'नामन्' शब्द का 'षष्ठी' विभक्ति, एकवचन रूप होगा

- अ) नाम्नः
- ब) नाम्नोः
- स) नाम्ने
- द) नाम्ना ।

ii) 'आत्मन्' शब्द का चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन रूप होगा

- अ) आत्माभ्याम्

ब) आत्मभ्याम्

स) आत्मनोः

द) आत्मानो ।

ख) i) 'नी' धातु का लोट् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन रूप होगा

अ) अनयत्

ब) अनयतम्

स) नय

द) नयतम्

ii) 'पा' धातु में लङ् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन रूप लिखिए ।

ग) i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए :

अ) पठितः

ब) कथितः

स) कृत्वा ।

ii) निम्न में से किसी एक शब्द का संस्कृत प्रत्यय लिखिए।

अ) श्रीमान्

ब) प्रभुत्वम्

स) मानवत्वम् ।

घ) निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :

अ) गृहं परितः वृक्षाः सन्ति ।

ब) पादेन खञ्जः ।

स) माता पुत्रेण सह गच्छति ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

अ) हम हँसते हैं ।

ब) यह राम की पुस्तक है ।

स) मैं घर से जाता हूँ ।

द) कुएँ में जल है ।